

Padma Shri



SHRI PREM SINGH

Shri Prem Singh is a popular and prominent social worker of the India. He has been rendering a commendable social service from last 32 years for Community based rehabilitation of leprosy affected persons & revival of their Human Rights and elimination of Leprosy from the country.

2. Born on 9th December, 1951 in a poor family in village Behrampur Zimidari District Ropar, Punjab, Shri Prem Singh passed Bachelor of Arts from Government College, Ropar in 1971, affiliated to Punjabi University Patiala. His father Sh. Amar Singh and mother Smt. Nachhattar Kaur educated him despite of utmost poverty. He acquired the Master Degree in the Business Administration from Punjab Technical University (PTU) Jalandhar in 2013 after his retirement. He has also passed Foundation Course on the Education of disabled children.

3. Shri Prem Singh is founder of Leprosy Welfare Mission Chandigarh and Leprosy Elimination Society Mohali both voluntary NGOs, engaged in the welfare of leprosy effected persons and elimination of leprosy respectively. He had been nominated NGO Member of Governing Council of Punjab State Leprosy Society. He has rehabilitated more than 1000 leprosy cured patients. His meritorious service had been appreciated by the World Health Organization. He has launched Mass-Education Programs and held rallies and seminars to awaken the people about symptoms, cure and treatment of leprosy with the participation of youth clubs and other NGOs.

4. Shri Prem Singh has preached the message that the leprosy is 100 % curable with Multi Drug Therapy (MDT). He has pursued the Government to provide interest-free loans to the leprosy patients to start Cottage Industries for their self employment ventures. He had created financial resources from his own saving and by selling jewelry of his wife, taking loans to continue this social service. He built the houses for leprosy patients after selling his own house. His wife Malkiat Kaur had suffered at the domestic front bearing the criticism by the fellow-being and isolated by relatives and took her last breath while saying "LOK SEWA HI DESH SEWA HAIN" means service to mankind is real service to the country.

5. Shri Prem Singh has been honored with Vayo Saresht Samman, National Award 2019 for the Welfare of the Senior Citizens by the Honorable President of India. He has also been honored with the National Award, 2002 for welfare of persons with disability by the Honorable President of India, Dr. APJ Abdul Kalam. He got State Award 2001 from the Govt. of Punjab for the welfare of leprosy patients. He has been nominated and semifinalist for the British Medical Journal, Award South Asia 2017, dubbed as Oscars of Medicines. He has been nominated for Nobel Peace prize, 2021 & 2022.

पद्म श्री



श्री प्रेम सिंह

श्री प्रेम सिंह, भारत के एक लोकप्रिय और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे पिछले 32 वर्षों से कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के समुदाय आधारित पुनर्वास और उनके मानवाधिकारों की रक्षा और देश से कुष्ठ रोग के उन्मूलन के लिए अत्यंत सराहनीय सामाजिक सेवा प्रदान कर रहे हैं।

2. 9 दिसंबर, 1951 को गांव बेहरामपुर ज़िम्मिदारी, जिला रोपड़, पंजाब में एक गरीब परिवार में जन्मे, श्री प्रेम सिंह ने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से संबद्ध सरकारी कॉलेज, रोपड़ से 1971 में कला स्नातक उत्तीर्ण किया। उनके पिता श्री अमर सिंह और माता श्रीमती नछतर कौर ने अत्यधिक गरीबी के बावजूद उन्हें शिक्षित किया। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति के बाद 2013 में पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय (पीटीयू) जालंधर से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने विकलांग बच्चों की शिक्षा पर फाउंडेशन कोर्स भी पास किया।

3. श्री प्रेम सिंह कुष्ठ कल्याण मिशन, चंडीगढ़ और कुष्ठ उन्मूलन सोसायटी, मोहाली के संस्थापक हैं, ये दोनों संगठन स्वैच्छिक गैर सरकारी संगठन हैं, जो क्रमशः कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के कल्याण और कुष्ठ उन्मूलन में लगे हुए हैं। उन्हें पंजाब राज्य कुष्ठ सोसाइटी के शासी परिषद का एनजीओ सदस्य नामित किया गया था। उन्होंने एक हजार से अधिक कुष्ठ रोगियों का पुनर्वास किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उनके अतुलनीय सेवा की सराहना की थी। उन्होंने युवा क्लबों और अन्य गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी के जरिये लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षणों, इलाज और उपचार के बारे में जागरूक करने के लिए जन-शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है तथा रैलियों और सेमीनार का आयोजन किया है।

4. श्री प्रेम सिंह ने यह संदेश दिया है कि मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) के साथ कुष्ठ रोग का 100% इलाज संभव है। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को अपने स्वरोजगार उपक्रमों के लिए कुटीर उद्योग शुरू करने के लिए उन्हें ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए सरकार से अनुरोध किया है। उन्होंने इस समाज सेवा को जारी रखने के लिए अपनी बचत से और अपनी पत्नी के गहने बेचकर, ऋण लेकर वित्तीय संसाधन जुटाए। उन्होंने अपना घर बेचकर कुष्ठ रोगियों के लिए मकान बनवाए। उनकी पत्नी मल्लिकयत कौर को घरेलू जीवन में जान पहचान वालों की आलोचना सहनी पड़ी और उन्हें रिश्तेदारों द्वारा अलग-थलग कर दिया गया था एवं अंत में उन्होंने "लोक सेवा ही देश सेवा है" कहते हुए अंतिम सांस ली, जिसका तात्पर्य है कि मानव जाति की सेवा ही देश की वास्तविक सेवा है।

5. श्री प्रेम सिंह को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2019 में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार –वयो श्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें भारत के माननीय राष्ट्रपति, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए वर्ष 2002 में राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें कुष्ठ रोगियों के कल्याण के लिए पंजाब सरकार की ओर से राज्य पुरस्कार 2001 प्रदान किया गया। उन्हें ऑस्कर ऑफ मेडिसिन कहे जाने वाले ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, साउथ एशिया अवार्ड के लिए वर्ष 2017 में नामांकित किया गया था और वे सेमीफाइनलिस्ट रहे थे। उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार, 2021 और 2022 के लिए भी नामांकित किया गया है।